

अभिसिंचित वि. (तत्.) जो सम्यक् रूप से सींचा गया हो।

अभिसिक्त वि. (तत्.) गीला, तर, भीगा, सिंचित।

अभिस्ताव पुं. (तत्.) किसी के पक्ष में अनुकूल कहना, संस्तुति, सिफारिश।

अभिस्वीकृति स्त्री. (तत्.) 1. विधि. किसी कथन, दावे अथवा देनदारी को सही मानने की क्रिया acknowledgement 2. प्रशा. पावती, किसी वस्तु, विशेषतः पत्र के मिलने की लिखित सूचना।

अभिहत वि. (तत्.) 1. पीटा गया 2. आहत 3. पराभूत, आक्रांत 4. गुणित।

अभिहति स्त्री. (तत्.) 1. चोट, प्रहार 2. गुणन।

अभिहरण पुं. (तत्.) छीन ले जाना, लूटना, चौर्यवृत्ति।

अभिहर्ता पुं. (तत्.) डाकू, आक्रमणकारी, ले भागनेवाला।

अभिहस्तांतरण पुं. (तत्.) विधि. किसी संपत्ति का लिखत द्वारा (प्रलेख तैयार कर) अन्य को औपचारिक रूप से अंतरित किया जाना।

अभिहार पुं. (तत्.) चुराने, लूटने या उठाने की क्रिया या भाव।

अभिहारी वि. (तत्.) हरण करनेवाला, चुरानेवाला; डकैत।

अभिहित वि. (तत्.) 1. कथित, कहा हुआ, अभिधा द्वारा व्यक्त 2. अभिव्यक्त, शब्दों द्वारा व्यक्त, उल्लिखित 3. संबंधित 4. नाम 5. शब्द 6. केवल वचनों पर आश्रित।

अभिहित-संधि स्त्री. (तत्.) (कौटिल्य के अनुसार) वह संधि जो लिखी न गई हो; दे. अभिहित।

अभिहितान्वयवाद पुं. (तत्.) दर्श. अभिधा शक्ति से पदों के अर्थों का ज्ञान हो जाने पर तात्पर्य शक्ति से पद के अर्थों के परस्पर संबंध का बोध होने का मत तु. अन्विताभिधानवाद।

अभिहितान्वयवादी वि. (तत्.) अभिहितान्वयवाद के मत या सिद्धांत को मानने वाला या समर्थन करने वाला।

अभी क्रि.वि. (तद्.) इसी समय, इसी क्षण, तुरंत, तत्काल; इस समय।

अभीक वि. (तत्.) 1. निर्भय, निडर 2. विकराल 3. इच्छुक 4. कामुक पुं. 1. प्रेमी 2. पति 3. स्वामी, मालिक।

अभीक्षक वि. (तत्.) किसी कार्यालय-भवन, किसी काम या चीज की अच्छी तरह देखभाल करने वाला, रखवाल caretaker

अभीत वि. (तत्.) निडर, निर्भय।

अभीति स्त्री. (तत्.) निर्भीकता, डर या भय का अभाव।

अभीप्सक वि. (तत्.) चाहने वाला, ईष्या करने वाला।

अभीप्सा पुं. (तत्.) चाह, इच्छा, अभिलाषा।

अभीप्सित वि. (तत्.) चाहा हुआ, वांछित, इच्छित पुं. (तत्.) इच्छा, कामना, चाह।

अभीप्सु वि. (तत्.) दे. अभीप्सक।

अभीर पुं. (तत्.) अहीर, गोप, ग्वाल।

अभीरी स्त्री. (तद्.) ग्वालों या अहीरों की बोली।

अभीरु वि. (तत्.) 1. निर्भय, निडर, भयहीन 2. साहसी पुं. 1. शिव 2. भैरव विलो. भीरु।

अभीष्ट वि. (तत्.) 1. वांछित, चाहा हुआ 2. उद्दिष्ट पुं. (तत्.) 1. मनोरथ, मनचाही बात।

अभीष्ट-सिद्धि स्त्री. (तत्.) मनोरथ का पूर्ण हो जाना।

अभुक्त वि. (तत्.) 1. बिना खाया या भोग किया हुआ 2. अप्रयुक्त।

अभुक्तपूर्व वि. (तत्.) जो किसी के द्वारा पहले नहीं खाया गया या उपभोग किया गया हो।

अभुक्तमूल पुं. (तत्.) ज्यो. ज्येष्ठा नक्षत्र की अंतिम तथा मूल नक्षत्र की प्रारंभिक दो-दो घटी (घड़ियाँ) जिनका जातक के जन्म समय में विशेष महत्व माना गया है।

अभू वि. (तत्.) जो जन्मा न हो। जो पैदा न हो। पुं. विष्णु।

अभूज वि. (तत्.) बाहुरहित, लूला।

अभूत वि. (तत्.) 1. जो हुआ न हो, अपूर्व 2. अनुपम 3. वर्तमान 4. अजन्मा।